भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

# BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2077 ● मासिक पत्र : फरवरी 2021 ● पृष्ठ : 6 ● दिल्ली

# केशव-आशना की शादी बनी समाज के लिए मिसाल

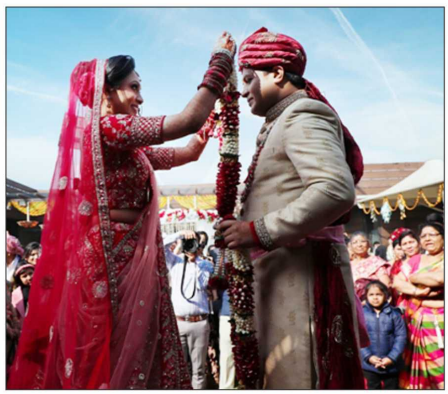

दिल्ली में हजारों लाखों संस्थाएं हैं लेकिन भिवानी परिवार मैत्री संघ का इनमें अपना कीर्तिमान व स्थान हैं क्योंकि यह संस्था नहीं परिवार हैं।

बीपीएमएस में 19 सेवा सीमित सेवा का कार्य कर रही हैं। जिसमें हमारी सेवा समिति आदर्श विवाह सुझाव समिति हैं। यह समिति समाज में होने वाली शादी समारोह में फिजूल खर्ची को रोकने का कार्य करती हैं। हमारी समिति ने सभी सुझाव मानने पर एक संकल्प पत्र भरवाया जाता हैं। लगभग 45 के करीब लोगों ने संकल्प पत्र भर कर अपने बच्चों की शादी आदर्श विवाह समिति के सुझाव के अनुसार करने संकल्प लिया हैं।

हमारी संस्था के प्रधान श्री राजेश चेतन जी ने अपने छोटे पुत्र की सगाई होते ही हमारी समिति के लोगों के साथ मीटिंग की।

उन्होंने अपने पुत्र केशव जैन की शादी समिति के सुझाव के अनुसार करने का संकल्प लिया।

श्री राजेश चेतन जी ने शादी दिन के समय, समिति लोगों के साथ, बिना दिखावे के, बिना प्रिवेडिंग, बिना किसी आडम्बर, बिना किसी मिलनी के करके एक मिसाल व आदर्श उदाहरण कायम किया।

उनके सामाजिक व पारिवारिक दायरे में हजारों लोग है फिर भी उन्होंने शादी में सिर्फ 40 से 50 मेहमानों को आमंत्रित किया।

शादी में मेहमानों को कम करने के लिए शादी से पहले उन्होंने एक मिठाई का डिब्बा और एक पत्र अपने सभी नजदीकी लोगों को भेजा। इस पत्र में उन्होंने सभी से डिजिटल ही शादी में शामिल होकर वर वधु को आशीर्वाद देने की एक अच्छी शुरुआत की।

हमारी समिति की ओर से प्रधान श्री राजेश चेतन जी को साधुवाद व वर वधु केशव-आशना जैन को सुखी वैवाहिक जीवन के लिये ढेरो शुभकामनाएं।

## मैट्रीमोनियल सेवा

आदर्श विवाह सुझाव समिति ने आदर्श विवाह कराने के साथ साथ एक और गंभीर विषय पर ध्यान दिया वो हैं समाज में लड़के लड़कियों के रिश्तों में दिक्कत।

इसलिए हमारी समिति ने एक वेबसाइट बनाई जिसमें भिवानी परिवार के लोग अपने बच्चों के रिश्ते देख सके। इस वेबसाइट का लिंक www. ebhiwani. com के ऊपर ही वैवाहिक सेवाएं के नाम से है।

इस लिंक पर जाने के बाद लॉगिन के लिए सदस्य को अपना मोबाइल नम्बर लिखना होगा उसके बाद मोबाइल में एक पासवर्ड आएगा उसके बाद ही आप बॉयोडाटा डाल सकते है या अपनी दूसरे डाटा देख सकते है।

इस वेबसाइट को सिर्फ बीपीएमएस मेम्बर ही देख सकता हैं अपने मोबाइल के पासवर्ड से या अपने किसी रिश्तेदार या परिवारजन का बायोडाटा डलवाना चाहता हैं तो अपने मोबाइल से ही लॉगिन करके पासवर्ड देना होगा। यह वेबसाइट पूरी तरह से रिश्ते कराने वाले दलालों से सुरक्षित रहेगी।

इस वेबसाइट में बीपीएमएस के मेम्बर के माध्यम से बॉयोडाटा डलेगा तो आपस में रिश्ता ढूंढने में व विश्वसनीयता रहेगी।

इस वेबसाइट में काफी सर्च ऑप्शन भी हैं जिससे बॉयोडाटा आसानी से मिलाया जा सके।

पुराने समय में रिश्ते कराने वाले अपने रिश्तेदार, पड़ोसी, व्यापार के लोग बिचौलियों का काम कर शादी संपन्न करवा देते थे। अब बिचौलियों का स्थान दलालों ने ले लिया है।

जिससे रिश्ते आसानी से टूट जाते है या फिर शादी के बाद तलाक की संभावना ज्यादा होती हैं क्योंकि ये रिश्ते दलाल झूठ बोलकर गलत जानकारी देकर कराते है।

हमारी समिति का उद्देश्य अपने लोगों के आपस में इन रिश्ते की समस्याओं को दूर करना है।

इसलिए आप सभी से निवेदन है कि अपने परिवार के व रिश्तेदारों के बच्चों के बायोडाटा डलवाये।

विनय सिंघल
9999190575

दिनेश गुप्ता
9810003215

प्रदीप गुप्ता
9350041733

मनीष गोयल
9811195512

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

# BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक,
उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

## भिवानी के लोग

### श्री आर.सी. महतानी

● हमारी आज की पोस्ट भिवानी गौरव श्री आर सी महतानी को समर्पित है ।

● 25 मई 1938 पाकिस्तान के मुलतान जिला के कहरोड पक्का में जन्म।

● मेरठ, तोशाम और वैश्य कॉलेज भिवानी से FSC की पढ़ाई।

● बाद में आपने PCS जिसको आज-कल HCS कहते हैं उत्तीर्ण किया।

● इतिहास की प्रोफेसर डॉ. शकुन्तला महतानी से विवाह बंधन में बंधकर मनोज, हेमा और पूजा तीन यशस्वी सन्तान।

● मनोज महतानी अमरीका में सफल व्यवसायी हैं, हेमा और पूजा भी दिल्ली में सफल बिजनेस परिवार में विवाहित हैं।

● एक स्टेनोग्राफर से कैरियर आरंभ किया।

● आपने अपनी प्रतिभा के दम पर पंजाब और हरियाणा के चार मुख्यमंत्रियों क्रमशः श्री प्रकाश सिंह कैरो, पंडित भगवत दयाल शर्मा, राव वीरेंद्र सिंह और चौ. बंसीलाल के साथ एडिशनल सेक्रेटरी के रूप में कार्य किया।

● बाद में आपने दिल्ली आकर रक्षा मंत्रालय में चौ. बंसीलाल के साथ स्पेशल सेक्रेट्री के रुप में कार्य किया।

● आप भिवानी में लगातार सेवा कार्यों से जुड़े रहते हैं, स्वास्थ्य के क्षेत्र में आपने अविस्मरणीय कार्य किया।

● समाज सेवा के लिये 24X7 तत्पर रहते हैं ।

● भिवानी परिवार मैत्री संघभिवानी गौरव श्री रघुबीर चन्द महतानी के दीर्घ स्वस्थ जीवन की कामना करता है।

## सम्पादकीय

जगत नारायण भारद्वाज

गतांक से आगे..

सेठ नंदराम का जीवन सात्विक व साधारण था। उनका जीवन मोटा खाना व मोटा पहनने में ही रहता था, फिर भी वे चालीस कोस पैदल भी आसानी से चल सकते थे। एक बार कटले में किसी आढ़ति, की खाण्ड की बोरी खुले में रखी थी। वर्षा आ जाने से वे बोरी भीगने लगी, सेठ ने नौकरों को आवाज दी परन्तु उनको न सुनने के कारण सेठ ने चार मन की बोरियों को बगल में उठाकर छाया में रख दी। जब इस बात का नौकरों को पता चला तो वे बहुत लज्जित हुए।

एक बार उनके पास बनिहाडी के ब्राह्मण जयकिशन राम आए, सन 1785 में सेठ उनको साथ लेकर गयाजी (बिहार) की यात्रा पर गए थे। उस समय ये यात्रा बहुत कठिन हुआ करती थी।

पंडित जयकिशन तो वहां से चारों धाम की यात्रा पर निकल गए और सेठजी आठ महीनों के बाद वापस भिवानी आ गए। पंडित जी ने वापस आकर दक्षिण के मन्दिरों के बारे में सेठ नंदराम जी को बताया। उनकी प्रेरणा से सन 1790 में सेठ नंदराम ने रघुनाथ जी का मन्दिर बनवाया जो भिवानी में बड़े मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध है। इसके पूजन का अधिकार पंडित जी के वंशजों को आज तक चलता आ रहा है।

सेठ नंदराम के क्रियाकलापों से भिवानी में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। उनके मन में ये विचार आया कि यहां कुछ और वैश्य आकर बसे व अपना व्यापार यहां करें। कई स्थानों से उनको बुलाया गया और भिवानी के जाटू राजपूतों को उनकी रक्षा का भार दे दिया और प्रति पुरुष एक रुपैया कर लगाया और वह कर राजपूतों को देने का नियम बना दिया, क्योंकि जाटू राजपूतों के द्वारा ही भिवानी बसाई गई थी। राजपूतों को भी यह नियम समझ में आ गया कि जितनी आबादी बढ़ेगी उतनी ही उनकी आमदनी बढ़ेगी।

भिवानी के राजपूत भी अपने इस नियम पर अटल रहे। इससे भिवानी की आबादी व व्यापार बढ़ता गया व भिवानी ने एक छोटे कस्बे का रूप ले लिया। जहां अन्य कस्बों में लूट-खसूट रहती वहीं भिवानी में अमन चैन बना रहा।

अब भिवानी में उन्होंने ब्राह्मणों को मिश्र, गारुड़ी व उपाध्याय जैसी उपाधियां दी व उनके लिए भी लोगों पर कर लगा दिया जो बहुत लंबे समय तक चलते हुए ब्राह्मणों की रोजी रोटी का आधार बना रहा।

सेठ ने अपने चारों लड़कों की शादियां पुराने व प्रसिद्ध खानदानों में राजकुमारों की भांति की और खूब खर्च किया।

## स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

श्रीमती जानकी देवी जिंदल
2 जनवरी 2021

श्री शिव कुमार गर्ग
17 जनवरी 2021

श्रीमती निहाली देवी
18 जनवरी 2021

# जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री अजय वर्मा
(संरक्षक)
3 फरवरी

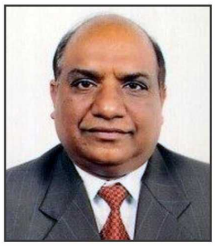

भिवानी गौरव
श्री आर.के. चौहान
5 फरवरी

भिवानी गौरव
श्री श्याम सुंदर
5 फरवरी

श्री अमित अग्रवाल
(संरक्षक)
6 फरवरी

श्री राजेश गोयल
(संरक्षक)
6 फरवरी

श्री ओम प्रकाश गोयल
(संरक्षक)
8 फरवरी

श्री कृष्ण गुप्ता
(संरक्षक)
10 फरवरी

भिवानी गौरव
श्री विष्णु भगवान
10 फरवरी

श्री विपिन कुमार बंसल
(संरक्षक)
13 फरवरी

श्री शशी भूषण शुक्ला
(संरक्षक)
14 फरवरी

श्री प्रकाश चंद बासिया
(संयुक्त सचिव-बी.पी.एम.एस.)
15 फरवरी

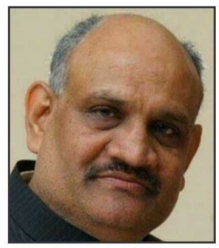

श्री विनोद गोयल
(संरक्षक)
15 फरवरी

श्री पुरुषोत्तम गर्ग
(संरक्षक)
16 फरवरी

भिवानी गौरव
श्री संपूर्ण बागरी
17 फरवरी

श्री कुनाल गोयल
(संरक्षक)
26 फरवरी

भिवानी गौरव
श्री जे.बी.एस. यादव
28 फरवरी

श्री मोहन बागड़िया
(संरक्षक)
29 फरवरी

## भिवानी के डॉक्टर्स

**डॉक्टर अमित गुप्ता** ( M: 9891718374 )
पुत्र श्री राज कुमार गुप्ता एवं
स्वर्गीय श्रीमती सुनीता गुप्ता
**जन्म स्थान :** चरखी दादरी
**शिक्षा :** वैश्य मॉडल स्कूल, भिवानी एवं डी आर के आदर्श विद्या मंदिर चरखी दादरी
**मेडिकल शिक्षा**
एमबीबीएस सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर
डीएनबी सेंट सटेफेंस हॉस्पिटल, नई दिल्ली
फेलोशिप इन डाइबीटीज़-क्रिस्चन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर
**उपलब्धियां**
1. अमेरिकन डाइबीटीज़ असोसीएशन के अड्वाइज़री बोर्ड के सदस्य मनोनीत होने वाले पहले मधुमेह रोग विशेषज्ञ।
2. अमेरिकन असोसीएशन ओफ़ क्लिनिकल एंडोकरिनोलोजिस्ट के डाइबिटीज़ कमेटी के सदस्य।
3. नैशनल हेल्थ अवार्ड, डाइबिटिज़ अवेर्नेस इनिशीयटिव अवार्ड, पद्माकर त्रिपाठी यंग सायर्यंटिस्ट अवार्ड, इन्वेस्टिगेटर ओफ़ दी ईयर अवार्ड से सम्मानित।
5. रॉयल कॉलेज ओफ़ फीजिशियंस गलास्सगो, रॉयल कॉलेज ओफ़ फीजिशियंस, डिन्बर्ग, अमेरिकन कॉलेज ओफ फीजिशियंस, इंडीयन कॉलेज ओफ फीजिशियंस की फेलोशिप से सम्मानित।
**कार्य स्थल :** सेंटर फोर डाइबीटीज केयर, ग्रेटर नॉएडा

# कहानी एक अमर बलिदानी की

आज हम याद करना चाहते हैं भिवानी जिले के मिट्ठी गांव के लाडले अमर बलिदानी सूबेदार सोमवीर कादयान को। जिनका जन्म राजस्थान बॉर्डर पर सुदूर बालू रेत के टीलों के बीच शेर सिंह एक साधारण किसान के घर 4 फरवरी सन् 1982 को हुआ। जब भौर के समय थाली बजी तो थाली की आवाज सिर्फ पक्षियों ने ही अपने घोसले से उड़ान नहीं भरी बल्कि शेर सिंह की उम्मीदों ने भी अंगड़ाई ली उनके घर जो पुत्र रत्न प्राप्त हुआ। बड़ा होकर उसका सहारा बनेगा बड़ा अफसर बनेगा गांव जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेगा। समय पंख लगा कर उड़ा और नन्हा बालक तरुण और फिर किशोर हुआ और फौज में भर्ती होने के लिए 2001 में हिसार से 8 जाट रेजीमेंट में भर्ती हो गया। माता पिता और पूरा गांव खुशियों से लड्डू बांट रहा था। वहीं से उन्हें बरेली उत्तर प्रदेश में ट्रेनिंग के लिए भेज दिया गया। कड़े परिश्रम के बाद एक सजीला बांका फौजी बनकर कोलकाता, फिरोजपुर, गुवाहाटी देश के अलग-अलग भागों में आप और हम सब की रक्षा करता रहा फिर गुड़गांव मानेसर में एनएसजी का ब्लैक कैट कमांडो बना और देश के कई महत्वपूर्ण ऑपरेशंस में शामिल हुआ। इसी दौरान 2004 में भिवानी जिले के ही शेरला गांव की बेटी सुमन देवी से विवाह करके तीन सुंदर फूल से बच्चों का पिता बना।

15 वर्षीय प्रिया, 13 वर्षीय स्नेहा और 10 वर्षीय रोहित। अपनी कर्तव्यपरायणता, बहादुरी, ईमानदारी, ताकत और कार्यकुशलता की वजह से सिपाही से हवलदार और हवलदार से सूबेदार बन जम्मू कश्मीर के पुलवामा मैं पोस्टेड हुआ। मिलिट्री इंटेलिजेंस की खबर पर फोन खन खना उधर से आवाज आई पांच दुर्दांत आतंकवादी घुसपैठ करके पाकिस्तान से भारत की तरफ घुस आए हैं। टीम के कमांडर कर्नल साहब ने विस्सल बजाकर फॉलन किया और जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन बड़ा है स्वेच्छा से कोई जवान और अधिकारी आगे आना चाहते हैं तो लाइन तोड़कर आगे आए, भिवानी के सपूत सूबेदार सोमबीर सीना तान कर बोले सर मैं ऑपरेशन में शामिल होना चाहता हूं, कर्नल साहब और मेजर साहब दोनों ने पीठ थपथपा कर सोमबीर को सीने से लगा लिया और कहां शाबाश। टीम बनाकर रात के अंधेरे में उस तरफ बढ़े जिधर से आतंकवादी आए थे। सेना की टुकड़ी को देखते ही आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, थोड़ी देर में सूबेदार सोमबीर ने एक आतंकवादी को ढेर कर दिया, लेकिन इसी दौरान सोमबीर का साथी घायल हो गया, सोमबीर ने एके-47 से फायरिंग करते हुए अपने घायल जवान को कंधे पर लादकर पीछे अपनी दूसरी टुकड़ी के पास सुरक्षित पहुंचाया और फिर से मोर्चे पर आकर दनदना कर गोलियां चलाते हुए दूसरे आतंकवादी को मौत की नींद सुला दिया। इस तरह दो आतंकवादियों को अकेले मार गिरा के और अपनी टीम के साथ पांचों आतंकवादियों का सफाया कर दिया, लेकिन इसी दौरान गोलीबारी में घायल होकर भारत माता के शेर भिवानी के लाडले ने वर्दी की जेब पर लगे छोटे से तिरंगे को चूमते हुए भारत माता की जय बोल कर प्राण त्याग दिए। रेजिमेंट से जब यह खबर गांव पहुंची तो पूरे गांव व आसपास में दुख से कोहराम मच गया, हमें भी दिल्ली में जब यह खबर लगी तो भिवानी परिवार मैत्री संघ के मुखिया अंतर्राष्ट्रीय कवि आदरणीय राजेश चेतन जी ने कहा सुरेश जी आप अभी बी.पी.एम.एस. परिवार की तरफ बहल पहुंचो। क्योंकि रात हो चुकी थी मैं रात में 3.30 बजे अपने बेटे नवीन जयहिंद और बहन चित्रलेखा शर्मा (डायरेक्टर गृह मंत्रालय भारत सरकार) को लेकर रवाना हुआ और प्रात: 7. 00 बजे राजस्थान के बॉर्डर बालू रेत के टीलों के बीच मीठी मतानी गांव पहुंचा। जम्मू कश्मीर से तिरंगे में लिपटकर शहीद सूबेदार सोमवीर का शव जब गांव पहुंचा तो हजारों की भीड़ ने गगनभेदी नारों से आसमान को गुंजा दिया। हमने जय हिंद मंच और भिवानी परिवार मैत्री संघ की तरफ से रीत पुष्प चक्र अर्पित किया। सेना के जवानों की बंदूकें गरजी और शहीद की चिता धू-धू करके जलने लगी और साथ-साथ हमारे और हजारों लोगों के आंसू जर्जर करके बहने लगे। मेरे मन में कवि कि वह कविता याद आई 'शहीदों की चिताओ पर लगेंगे हर बरस मेले' लेकिन फिर मन में प्रश्न आया मेले कौन लगाएगा कैसे लगेंगे।

मैंने जलती हुई चिता के सामने मन में प्रतिज्ञा ली कि हम लगाएंगे मेले 1 वर्ष के अंदर जहां संस्कार किया था वहीं पर पंचायत के साथ मिलकर 2 एकड़ भूमि में जयपुर से प्रतिमा बनवा कर समस्त गांव और क्षेत्र वासियों के सहयोग से विशेषकर किसान नेता रवि आजाद की टीम शहादत दिवस 24 फरवरी 2020 को भारतीय सेना के गौरव जनरल राज कादियान और दर्जनों अधिकारियों के मौजूदगी अभी बताता हूं और 10000 लोगोंकी भीड़ के सामने प्रतिमा का अनावरण किया और कवि की उस कविता को चरितार्थ किया 'शहीदों की चिताओ पर लगेंगे हर वर्ष मेले, वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशा होगा'।

अगले एपिसोड में फिर मां भारती के किसी एक ऐसे लाडले की आंखों देखी बीपीएमएस और जय हिंद मंच की साथ में जीवंत घटना का विवरण होगा।

**लेखक : श्री सुरेश शर्मा**
**संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष-जय हिंद मंच**
**कार्यकारिणी सदस्य-भिवानी परिवार मैत्री संघ**

## जीवन के अनगिनत रंगों को अपने में समेटे एक हंसती खिलखिलाती शख्सियत का नाम है-श्रीमती शशि परमार

जिनके पास उच्च शिक्षा के नाम पर है, अथाह प्यार, समर्पण, धैर्य लगन और सभी के लिए अपनत्व और करुणा का भाव। यही कारण है कि आज समाज में उनको वो मुकाम हासिल है जिसका नाम सुनते ही सब नतमस्तक होते हैं। घर परिवार के साथ समाज से जुड़ाव, टूटते परिवारों को जोड़ने की अद्भुत कला, मानव मन को पढ़ने का बेजोड़ साहस और सब के लिए काम करने के संकल्प को हर कोई प्रणाम करता है। संपूर्ण समाज को एक प्रयोगशाला और व्यक्ति को एक इकाई मानने वाली श्रीमती शशि परमार ने योगसाधना ध्यान के माध्यम से समाज को पढ़ा और समझा है तथा मानव मन को जाना है। यही कारण है कि जिंदगी की ऊहापोह को उन्होंने हमेशा हंसते मुस्कुराते संभाला और पार किया है। कई जिंदगियों को रोशन कर बिखरते परिवारों में फिर से आशा की किरण जगाने का साहस आपके पास है। समाज के विभिन्न सामाजिक संस्थानों से आपका जुड़ाव आपकी नारी शक्ति की अस्मिता को और बड़ा बनाता है। आपके अदम्य साहस, करुणा और दया से भरे कोमल मन और जीवन जीने के सलीके को देखकर समाज का प्रत्येक जन आपके प्रति नतमस्तक होता है।

1. पतंजलि योग समिति की महिला जिला अध्यक्ष। भिवानी के प्रत्येक गांव में योग शिविर लगाए हैं।
2. सुखानंद फाउंडेशन की कला प्रमुख।
3. सांस्कृतिक मंच की प्रथम महिला अध्यक्ष पद्मविभूषण सोनल मान सिंह को लाकर सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण कराया।
4. राजपूत वीरांगना की सक्रिय सदस्य।
5. वनवासी कल्याण आश्रम की नगर महिला प्रमुख
6. भारत विकास परिषद की सक्रिय सदस्य।

लगभग पच्चीस टूटे परिवारों में पति पत्नी में समझौता कराकर फिर से बसाया।

अन्त में : अनेक संस्थाओं से सम्मानित।

**प्रस्तुति :**
**श्रीमती अनितानाथ**
**9896517300**

## व्रत त्यौहार फरवरी 2021

**मौनी अमावस्या, गुरुवार, 11 फरवरी 2021**
**वसंत पंचमी, मंगलवार, 16 फरवरी 2021**

## सेवा समितियां

**भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया था उनका विवरण इस प्रकार है।**

1. डी.डी.ए. प्लॉट समिति : श्री अरविंद गर्ग, 9811757577
2. बिजनेस पाठशाला : श्री हंसराज रल्हन, 9212163340
3. संविधान समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
4. बधाई एवं संवेदना संदेश समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
5. 24 x 7 हेल्थ हेल्प लाईन : श्री पवन मोडा, 9350461306
6. अपना घर आश्रम समिति : श्री सांवरमल गोयल, 9990541122
7. शिक्षा बैंक : श्री पंकज गुप्ता, 9654909070
8. नेत्रदान-देहदान समिति : श्री एन.आर.जैन, 9711917855
9. वैब पोर्टल : श्री प्रमोद शर्मा, 9868162572
10. कृत्रिम अंग सेवा समिति : श्री नवीन जयहिंद, 9313581995
11. आपदा राहत समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
12. रोजगार समिति : श्री सुशील गनोत्रा, 9899454931
13. विवाह सुझाव एवं मैटरीमोनियल समिति : श्री विनय सिंघल, 9999190575
14. जल सेवा समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
15. पर्यटन समिति : श्री मनीष गोयल, 9811195512
16. यू-ट्यूब समिति : श्री राजेश चेतन, 9811048542
17. वस्त्र एवं औषधि संग्रहण समिति : श्री गोविंदराम अग्रवाल, 9312923340
18. वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केन्द्र (लाइब्रेरी) : श्री विनय सिंघल, 9999190575
19. हमारा बुक बैंक समिति : श्रीमती पूजा जैन, 9212232753

**अगर आप भी इनमें से किसी समिति से जुड़ना चाहते है या अपने सुझाव देना चाहते है तो आप समिति के संयोजक से संपर्क कर सकते है।**

# श्रीकृष्ण प्रणामी अपना घर आश्रम, भिवानी का वार्षिकोत्सव एवं नवीन महिला आश्रम का लोकार्पण समारोह आयोजित

आश्रयहीन, असहाय मानव पीड़ितों के सेवार्थ हेतु डॉ. बी.एम. भारद्वाज व उनकी पत्नी डाक्टर माधुरी भारद्वाज द्वारा संचालित माँ माधुरी ब्रजवारिस सेवा सदन अपना घर सेवा संस्था भरतपुर की शाखा के तौर पर भिवानी में श्रीकृष्ण प्रणामी आश्रम के प्रांगण में पुरूषों के लिये 2 वर्ष से संचालित 'अपना घर' में प्रदेश के पहले महिला आश्रम की शुरुआत भव्य तरीके से की गई । इस अवसर पर कार्यक्रम में सान्निध्य स्वामी सदानंद जी महाराज का रहा । इस अवसर पर महामंडलेश्वर डॉ परमानन्द महाराज व महंत चरणदास भी मौजूद थे । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह थे । समारोह की अध्यक्षता विधायक व हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री घनश्याम सर्राफ ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रसिद्ध समाजसेवी जगमोहन गर्ग व प्रसिद्ध समाजसेविका प्रेमलता सर्राफ मौजूद थे। इस अवसर पर कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय कवि व भिवानी परिवार मैत्री संघ के अध्यक्ष राजेश चेतन की रही और मंच का संचालन भी उनके द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। कार्यक्रम में आमंत्रित सभी अतिथियों ने डॉ. माधुरी भारद्वाज व उनके पति द्वारा संचालित महिला आश्रम का लोकार्पण किया । इस

अवसर पर संबोधन में डॉ. माधुरी भारद्वाज ने कहा कि देश में 36 अपना घर आश्रम संचालित किये जा रहे है। देश से बाहर नेपाल में अपना घर आश्रम की एक संख्या चल रही है। उन्होंने कहा की अपना घर आश्रम में प्रभु निवास करते है।

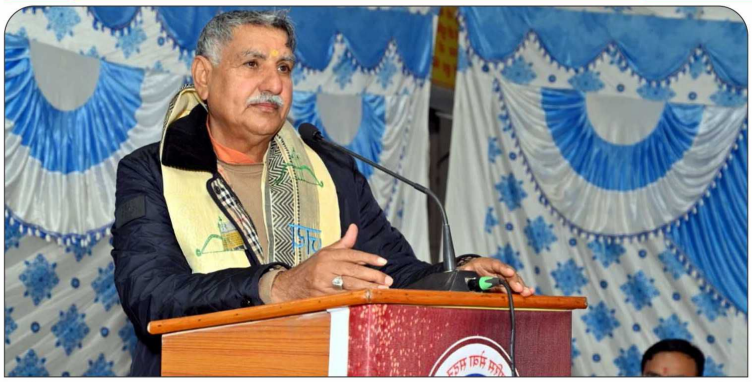

प्रभु की संज्ञा उन्हें दी जाती है, जो मानसिक रूप से शून्य होते है। ऐसे लोगों को सड़कों से ढूंढ कर उनकी सेवा करने में असीम शांति मिलती है। उन्होंने कहा की माँ, महात्मा और परमात्मा का आशीर्वाद मिल जाये तो सभी कार्य सफल होते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें महिला आश्रम खोलने की प्रेरणा लम्बे समय से थी, क्योंकि महिलाएं मानसिक हालत खराब होने पर सड़कों पर ज्यादा बुरी हालत में पाई जाती हैं। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय कवि राजेश चेतन ने घोषणा की कि अगले 3 माह में भिवानी जिले में एक भी प्रभुजन को सड़कों पर नहीं रहने दिया जायेगा। इस अवसर अपना धर आश्रम दिल्ली के सचिव साँवर मल गोयल ने सभी लोगों से आश्रम में विजीट करने और ऐसे लावारिस प्रभू स्वरूप की अपना घर आश्रम में सूचना देने की अपील की।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्तिथजनों को संबोधित करते हुए सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि सरकारी तंत्र में कई तरह के सामाजिक कार्य किये जाते है लेकिन राजनेता व अधिकारी अपने निजी स्वार्थो के चलते उन्हें आगे नहीं बढ़ने देते। अपना घर जैसी संस्थाओं की देश को काफी जरुरत है और संत समाज इसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समारोह अध्यक्ष विधायक घनश्याम सर्राफने कहा की डॉ. माधुरी भारद्वाज मातृ शक्ति का प्रतीक है और उनकी समाज में की जा रही सेवा हमारे लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजसेवी जगमोहन गर्ग व प्रेमलता सर्राफ ने कहा की महिलाओं को डॉ. माधुरी भारद्वाज व उनके पति डॉ. बी एम भारद्वाज से प्रेरणा लेनी चाहिए । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने आशीर्वचन में स्वामी सदानंद महाराज ने कहा की परमात्मा की असली सेवा वह है जो बर्बाद है उसे आबाद किया जाये। उन्होंने कहा कि मनुष्य की सेवा, गौ माता की सेवा व प्राणियों की सेवा से भी बड़ी है । उन्होंने कहा कि डॉ. माधुरी भरद्वाज इस पथ पर आगे बढ़कर दीनहीन की सेवा में लगी हुई है। इस अवसर पर 30 लोगों ने अपना घर आश्रम की आजीवन सदस्यता ग्रहण की।